

गेंडुआ पुं. (तद्.) सिर के नीचे रखने का तकिया
2. लंबा और गोल तकिया, मसनद।

गेंडुरी/गेंडुली स्त्री. (तद्.) 1. कुंडली 2. सिर पर घड़ा या कोई बोझा रखने से पहले रखी जाने वाली कपड़े की गोल गद्दी आदि, ईडुरी।

गेंद स्त्री. (तद्.) कपड़ा, रबड़ या लकड़ी आदि की बनी एक छोटी गोलाकार वस्तु जिससे खेलते हैं।

गेंदई वि. (देश.) 1. गेंदे के फूल/पौधे से संबंधित, गेंदे का 2. गेंदे के फूल जैसे रंग का, पीला।

गेंदतड़ी स्त्री. (देश.) एक खेल जिसमें खिलाड़ी एक दूसरे को गेंद मारते हैं।

गेंदबल्ला (गेंदबल्ला) पुं. (देश.) 1. गेंद और बल्ला 2. गेंद और बल्ला से खेला जाने वाला खेल।

गेंदा पुं. (देश.) पीले, लाल और नारंगी रंग के फूलों वाला एक छोटा पौधा, उक्त पौधे के फूल।

गे अ.क्रि. (देश.) गए उदा. प्रात क्रिया करि गे गुरु पाहीं - तुलसी अव्य. हे उदा. ननदी गे टि. 'गे' का प्रयोग पूर्वी हिंदी के तिरहुत क्षेत्र में होता है।

गेउ पुं. (देश.) गली, मार्ग।

गेज पुं. (अं.) 1. माप, नाप, पैमाना 2. रेल की दोनों पटरियों के बीच का अंतर (टि. उक्त अंतर सामान्यतः 56.5 इंच है जिसकी पटरियों को 'बड़ी लाइन' कहते हैं, उससे कम होने पर 'छोटी लाइन')।

गेट पुं. (अं.) फाटक, द्वार, दरवाजा जैसे- गेट खुला हुआ था 2. प्रवेश-मार्ग, प्रवेश-द्वार।

गेटिस पुं. (अं.) मोड़ा बाँधने का फीता।

गेड़ना अ.क्रि. (अं.) किसी वस्तु आदि के चारों ओर चक्कर काटना।

गेड़ी स्त्री. (देश.) किसी वस्तु के चारों ओर खींची जाने वाली मंडलाकार रेखा।

गेय पुं. (तत्.) गाने योग्य, जो गाया जा सके विलो. अगेय।

गेयता स्त्री. (तत्.) गाए जाने की योग्यता, गेयत्व।

गेर स्त्री. (देश.) ओर।

गेरना स.क्रि. (देश.) 1. गिराना 2. डालना।

गेराँब पुं. (देश.) 1. चौपायों के गले में बाँधने की रस्सी, पगहा 2. उक्त रस्सी का वह भाग जो गले में रहता है।

गेरुआ वि. (तद्.) 1. गेरु के रंग का, भगवा 2. गेरु में रंगा हुआ।

गेरुई स्त्री. (देश.) 1. गेरुआ 2. गेहूँ के पौधों में होने वाला एक रोग जो जड़ों में लगे गेरुए रंग के एक कीड़े के कारण होता है।

गेरु पुं. (तद्.) एक प्रकार की लाल और कड़ी मिट्टी जो कपड़ों, दीवारों आदि को रँगने में काम आती है।

गेल अ.क्रि. (तद्.) गया।

गेला अ.क्रि. (तद्.) गया, मुख, गया।

गेली अ.क्रि. (तद्.) गयी जैसे- सोता गली वि. 1. गयी-बीती, मूर्ख 2. गयी बीती, तुच्छ उदा. पिया कारण भई गेली -मीरा (पद, 80)।

गेवड़ा पुं. (देश.) गाँव के बाहर का मैदान।

गेसू पुं. (फा.) केशों की लट, अलक, जुल्फ।

गेस्ट हाउस पुं. (अं.) अतिथि-गृह।

गेह पुं. (तद्.) गृह, घर, मकान।

गेहनी स्त्री. (तद्.) गृहिणी, पत्नी।

गेह-पति पुं. (तत्.) गृहस्वामी, गृहपति।

गेहरा पुं. (तत्.) घर उदा. तुम बिनु सूनो वाकौ गेहरा -सुरसागर।

गेह शूर वि. (तद्.+तत्.) 1. जो घर में वीर हो, बाहर नहीं 2. कायर।

गेही वि. (तद्.) घर में रहने वाला, परिवार वाला पुं. गृहस्थ।